



त्रयीवाणी

शांति, मौन और विवेक पर

शाश्वत श्लोक



डॉ. आलोक कुमार भार्गव
लेखक, दृष्टा एवं सभ्यतागत धर्म के साधक

त्रयी वाणी शांति, मौन और विवेक पर शाश्वत श्लोक

प्रथम संस्करण

लेखक

डॉ. आलोक कुमार भार्गव
लेखक, दृष्टा एवं सभ्यतागत धर्म के साधक



पुस्तक का शीर्षक: त्रयी वाणी शांति, मौन और विवेक पर शाश्वत श्लोक

प्रथम संस्करण- 2026

Copyright 2026 © डॉ. आलोक कुमार भार्गव,

No part of this book may be reproduced or transmitted in any form by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording, or any information storage and retrieval system, without permission in writing from the copyright owners.

Disclaimer

The author is solely responsible for the contents published in this book. The publishers don't take any responsibility for the same in any manner. Errors, if any, are purely unintentional, and readers are requested to communicate such errors to the author or publishers to avoid discrepancies in the future.

E-ISBN: 978-1-68576-646-7

MRP Rs. 175/-

Publisher, Printer & Distributor:

Selfpage Developers Pvt Ltd.,
Pushpagiri Complex,
Beside SBI Housing Board,
K.M. Road Chikkamagaluru, Karnataka.
Tel.: +91-8861518868
E-mail: info@iipbooks.com

IMPRINT: IIP Iterative International Publishers

For Sales Enquiries:

Contact: +91- 8861511583
E-mail: sales@iipbooks.com



"स्पष्टता और संवेदनशीलता से उकेरे गए शाश्वत श्लोक, 'त्रयी वाणी' सनातन ज्ञान को धर्ममय छंदों में समाहित करती है — ऐसा शांति-संदेश देती है जो मौन से भी गहरा है, और ऐसा विवेक प्रदान करती है जो शोर से भी तीव्र है। यह पाठक को केवल पढ़ने के लिए नहीं, बल्कि ब्रह्मांड के साथ सामंजस्यपूर्ण पथ पर चलने के लिए आमंत्रित करती है।"

डॉ. आलोक कुमार भार्गव आध्यात्मिक मानवतावाद, सार्वभौमिक धर्म, और एक ऐसे विश्व-दृष्टिकोण के समर्थक हैं जहाँ मानवता नैतिक शासन के माध्यम से शांति में पनपती है। वे एक विद्वान और दूरदर्शी हैं, जो हमारे युग की नैतिक चुनौतियों के समाधान हेतु "मानव मूल्यों" की अवधारणा को आगे बढ़ा रहे हैं।



Selfypage Developers Pvt Ltd

Find us at



trayivani.in



E-ISBN: 978-1-68576-646-7



9 781685 766467

MRP Rs. 175 /-